भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4193 का उत्तर

छत्तीसगढ़ से बेंगलुरू के लिए नई रेलगाड़ी

4193. श्री विजय बघेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि छत्तीसगढ़ से बेंगलुरू के लिए इस मार्ग पर केवल एक सीधी रेलगाड़ी वैनगंगा एक्सप्रेस उपलब्ध है, जिसके कारण यात्रियों को सीट उपलब्धता, यात्रा समय और सुविधा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का छत्तीसगढ़ से बेंगलुरू के लिए एक अतिरिक्त सीधी रेलगाड़ी सेवा शुरू करने का विचार है क्योंकि इसकी मांग बढ़ रही है;

(ग) यदि कोई लंबित प्रस्ताव है, तो उसका ब्यौरा क्या है और संभावित कार्यान्वयन के लिए समय-सीमा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में कौन से वैकल्पिक कदम उठाए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है। तदनुसार, नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसे सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं।

वर्तमान में, 12251/12252 कोरबा-यशवंतपुर वैनगंगा एक्सप्रेस को बिलासपुर-रायपुर-गोंदिया के रास्ते परिचालित किया जा रहा है और यह छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को सेवा प्रदान कर रही है।

इसके अलावा, नागपुर से बेंगलुरू की ओर जाने वाली 15 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उपलब्ध हैं, जो बिलासपुर, रायपुर और गोंदिया जैसे शहरों से 39 जोड़ी, 50 जोड़ी और 53 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाओं के माध्यम से भली-भाँति जुड़ी हुई हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में नई रेलगाड़ी सेवाओं को शुरू करना सतत् प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

****

sk